

दंपती साथ में बैठकर टीवी देखें, खुशहाल रहेगी मैरिज लाइफ

कॉग्निटिव
एबिलिटीस पर
वर्कशॉप

पं. रविशंकर शुक्ल
विश्वविद्यालय का
आयोजन

पीजीआई चंडीगढ़
के एक्सपर्ट दे
रहे ट्रेनिंग

पत्रिका PLUS रिपोर्ट

रायपुर ● आज लोग अपनी जरूरतों की पूर्ति के लिए इतने व्यस्त हो गए हैं कि परिवार को भी समय नहीं दे पा रहे हैं, इसके चलते वे कई मानसिक बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। मैरिज लाइफ में भी इसका बुरा असर पड़ रहा है।

इससे रिश्ते टूट रहे हैं, इससे बचने के लिए पीजी आई चंडीगढ़ साइकोलॉजी डिपार्टमेंट के रिटायर्ड प्रोफेसर और रोशा टेस्ट के एक्सपर्ट डॉक्टर द्वार का प्रसाद ने टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि दंपती के बीच सम्बन्ध ठीक नहीं हो उसे मधुर



बनाने के लिए दोनों को रोज कम से कम एक घंटा एक साथ बैठ कर टीवी देखना चाहिए। इस दौरान दोनों एक दूसरे के दोस्त बनकर रहें, न कि पति-पत्नी बनकर इससे रिश्तों में सुधार आएगा।

गुस्से को कन्वर्ट करें: वर्कशॉप में डॉक्टर प्रसाद ने बताया कि आजकल स्कूलों और कॉलेजों के स्टूडेंट्स द्वारा खुदकुशी या दूसरों की हत्या की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसके पीछे बड़ी वजह

विभिन्न टेस्ट की ट्रेनिंग

उल्लेखनीय है कि पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग की ओर से कॉग्निटिव एबिलिटी टेस्ट और रोशा इंक्वॉट टेस्ट पर 5 दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं को आईक्यू के अलावा साइकोलॉजी के

विभिन्न टेस्ट की ट्रेनिंग दी जा रही है। रविवार को उन्होंने रोशा इंक्वॉट टेस्ट की जानकारी दी इस दौरान सेंटर फॉर कॉग्निटिव साइंस की डॉक्टर प्रेमिला सिंह, डॉक्टर मीता झा, डॉक्टर पी शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

है गुस्से पर कंट्रोल न होना है। गुस्से को कन्वर्ट करना नहीं जानते हैं। इसे पॉजिटिव तरीके से दूसरे रूप में कन्वर्ट करना चाहिए। डॉक्टर प्रसाद ने बताया कि रोशा टेस्ट किसी व्यक्ति के मनो

विश्लेषण का बेहतर तरीका है यह एक प्रोजेक्टिव टेस्ट है। जिसमें किसी के मन भाव और विचारों में विकृति का पता लगाया जाता है। वर्कशॉप में साइकोलॉजी के प्रोफेसनल्स ने भी हिस्सा लिया।

